NT>

Title: Need to take suitable measures for conservation of water resources in Uttar Pradesh particularly in Agra.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : सभापति महोदय, देश में जल की उपलब्धता का संकट गहराता जा रहा है। वैसे तो सारे देश में ही जल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है। आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा के भू-भाग के जल का स्तर काफी नीचे चला गया है। गत वर्षों में नल कूपों द्वारा सिंचाई के लिए योजनाओं को प्रोत्साहन तो दिया गया किन्तु भूमि के भीतर जल पहुंचाने की योजनाओं की अनदेखी हुई जिसका परिणाम जल अभाव के रूप में हमारे सामने है। प्राकृतिक स्रोतों से देश मे जल की उपलब्धता बरकरार है परन्तु उसके उपयोग में आज समस्या पैदा हो गई है। भूमि जल स्तर ऊपर उठा लाने के लिए वर्षा के जल को बहने से रोकना ही सर्वश्रेठ उपाय है।

अत: मेरा सरकार से आग्रह है कि जल संचय के लिए राट्रीय स्तर पर योजना क्रियान्वयन करने का निर्णय करे। जल संसाधन विकास मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय मिल कर देश में तालाबों के निर्माण को प्रोत्साहन दें। एक अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार एक हैक्टर भूमि के तालाबों में मछली पालन से 80,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक का लाभ कमाया जा सकता है। देश मे कच्चे तालाबों के निर्माण से ग्रामीण लोगों को आय का साधन भी मिलेगा और देश में भूमि में जल का स्तर भी ऊपर आने से जल की उपलब्धता बढ़ेगी।